बुधवार
06 अप्रैल 2022

पृष्ठ 4
गर्मियों में करें गन्ने के जूस का सेवन, फायदे जान आप रह जाएंगे हैरान

पृष्ठ 5
एसएस राजामौली की फिल्म में दिखेंगे साउथ स्टार अल्लू अर्जुन

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 68
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस प्रकार मैले दर्पण में सूरज का प्रतिबिंब नहीं पड़ता उसी प्रकार मलिन अंतःकरण में ईश्वर के प्रकाश का प्रतिबिंब नहीं पड़ सकता। – रामकृष्ण परमहंस

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

भाजपा ने मनाया 42वां स्थापना दिवस

राज नहीं राष्ट्र प्रथमः धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को चौधरी फार्म हाउस, जीएमएस रोड, देहरादून में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जीएमएस रोड से घंटाघर तक भाजपा की शोभा यात्रा में भी प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा हमारा संगठन राष्ट्र प्रथम, संगठन द्वितीय और व्यक्ति अंतिम के सिद्धांत

●अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगी हमारी सरकार
●शहर में निकाली शोभायात्रा, धामी भी हुए शामिल

पर चलता है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्रवाद की भावना पूरे देश में जगाई। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के सपनों को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भाजपा जन आकांक्षाओं को पूरा करने वाली राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा हमारी पार्टी ने हमेशा प्रत्येक कार्य को अनुशासन के साथ पूर्ण करने का सिद्धांत दिया हैं।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई का स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी की वजह से उत्तराखंड अलग राज्य बना। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य विकास के पथ पर अग्रसर है। पूरे मनोयोग से काम करना जनहित की सेवा करना ही हमारी प्राथमिकता रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के समग्र विकास के लिए राज्य में नई सरकार के गठन के साथ ही कई

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पुलिस की नाक के नीचे तीन दुकानों में चोरी

संवाददाता

देहरादून। पुलिस की नाक के नीचे घंटाघर के समीप ही चोरों ने तीन दुकानों की सीलिंग काटकर वहां पर चोरी की घटना को अंजाम दे पुलिस की चौकसी की पोल खोल दी है। व्यापारियों ने अवैध मार्केट लगाने वालों का कोई वेरिफिकेशन ना किये जाने का पुलिस पर आरोप लगाते हुए आंदोलन कि चेतावनी दी। व्यापारियों का कहना है कि इससे पहले भी तीन घंटाघर के पास ही तीन दुकानों में पूर्व भी चोरी की घटनाएं हो चुकी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रातः घंटाघर पुलिस पीकेट से कुछ ही दूरी पर स्थित बाबा कलेक्शन के मालिक सुरेश गुप्ता, मीनाक्षी फैशन के सुदेश अग्रवाल व गढवाल साडीज के मुबारक हुसैन जब सुब अपनी दुकान पर पहुंचे और उन्होंने जैसे ही दुकान खोली तो अन्दर का नजारा देखकर वह दंग रह गये। दुकानों के अन्दर सामान बिखरा हुआ था तथा छत की सीलिंग उखडी हुई थी। दुकान से नगदी व सामान गायब था। तीन दुकानों में चोरी की सूचना मिलते ही काफी संख्या में व्यापारी मौके

❑व्यापारियों में रोष, रात्रि गश्त की खुली पोल

पर पहुंच गये और उन्होंने घटना पर अपना आक्रोश व्यक्त किया। व्यापारियों का कहना है कि घोसी गली में लगने वाला एक बहुत बडा अवैध मार्केट जिसमें किसी का कोई वेरिफिकेशन पुलिस के द्वारा नहीं किया गया है। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस को व्यापारियों के गुस्से का सामना करना पडा। व्यापारियों का कहना था कि पूर्व में भी धारा चौकी पुलिस की नाक के नीचे से चोरों ने

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पुलवामा में मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

पुलवामा। जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपुर के त्राल इलाके में आतंकवादियोंऔर सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि, प्रतिबंधित आतंकी संगठनों अंसार गजवतुल हिंद और लश्कर–ए–तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस और सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने इलाके को घेर लिया और आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली विशेष जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू करने के बाद मुठभेड़ हुई। जैसे ही सुरक्षा बल उस स्थान पर पहुंचे, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, भारी मात्रा में आतंकियों की तरफ से गोलीबारी की गई, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों की पहचान अंसार गजवतुल हिंद के सफत मुजफ्फर सोफी उर्फ घ्घ्मुआविया और लश्कर के उमर तेली उर्फ घ्घ्तल्हा के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि, दोनों इस साल की शुरुआत में श्रीनगर के खोनमोह इलाके में एक सरपंच की हत्या सहित कई अन्य आतंकी मामलों में वांछित थे। अधिकारी के मुताबिक, दोनों आतंकवादियों ने हाल ही में त्राल में अपना ठिकाना बना लिया था।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1 हजार 86 केस दर्ज हुए

नई दिल्ली। देश में लगातार कम हो रहे कोरोना महामारी के मामलों की खबर राहत देने वाली है। हालांकि कल के मुकाबले आज २६१ केस ज्यादा दर्ज किए गए हैं। पिछले राष्ट्रीय स्तर पर कोविड के नए मामलों में हो रही गिरावट के चलते देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर ११ हजार ८७१ रह गई है। वहीं कोरोना से रिकवर करने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश में पिछले २४ घंटे में १ हजार ८६ केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की संख्या ४,३०,३०,६२५ हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के १,०८६ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, ७१ और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२१,४८७ पर पहुंच गई। वहीं पिछले २४ घंटे में १,१९८ लोग महामारी से ठीक हुई है जिसके बाद अब तक ठीक होने वालों की कुल संख्या ४,२४,९७,५६७ हो गई है।

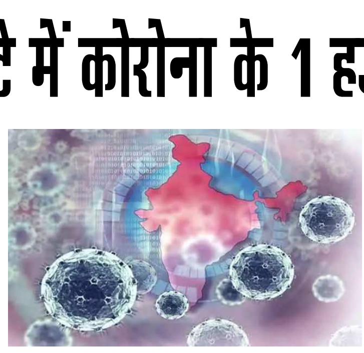

मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर ११,८७१ रह गई है, जो कुल मामलों का ०.०३ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटों में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में १८३ की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ९८.७६ प्रतिशत है। देश में अभी कोविड–१९ से मृत्यु दर १.२१ प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१९ रोधी टीकों की १८५.०४ करोड़ से अधिक खुराक लगाई जा चुकी हैं।

वही दूसरी ओर दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर ४९.३६ करोड़ हो गए हैं। इस महामारी से अबतक कुल ६१.५ लाख से ज्यादा की मौत हो चुकी है, जबकि ११ अरब से ज्यादा का वैक्सीनेशन हुआ है। ये जानकारी जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने साझा की। यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने बुधवार सुबह नए अपडेट में बताया कि वर्तमान वैश्विक मामले ४९३,६२८,६४५, मरने वालों की संख्या ६,१५८,७०४ और टीकाकरण की कुल संख्या बढ़कर ११,०४४,१८८,६६१ हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, ८०,२०८,७६३ कोरोना मामलों और ९८२,५७६ मौतों की संख्या के साथ अमेरिका सबसे अधिक प्रभावित देश बना हुआ है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अनाड़ी खिलाड़ी, खेल का सत्यानाश

उत्तराखंड परिवहन निगम के जिन चार डिपो को खत्म करने का निर्णय चार दिन पूर्व लिया गया था उसे अब परिवहन मंत्री के निर्देश पर खत्म कर दिया गया है। इस फैसले के बाद जब इसका विरोध स्थानीय विधायकों और नेताओं द्वारा किया गया तो परिवहन मंत्री ने कहा कि फैसला उनकी जानकारी में नहीं था। खास बात यह है कि जब मंत्री महोदय ने अधिकारियों से पूछा तो उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि इसकी प्रक्रिया पहले से चल रही थी। यह पूरा प्रकरण उत्तराखंड राज्य की शासकीय प्रणाली कैसे चल रही है? इसकी कलई खोलने के लिए काफी है। राज्य के परिवहन मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग में चार डिपो जिनमें रुड़की, काशीपुर, रानीखेत और श्रीनगर जैसे डिपो शामिल हैं उन्हें खत्म करने का शासनादेश जारी हो जाता है और परिवहन मंत्री को इसकी जानकारी तक नहीं होती है। अब मंत्री महोदय अधिकारियों को हड़का रहे हैं कि भविष्य में उनकी जानकारी के बिना कोई नीतिगत फैसला न लें साथ ही उन्होंने डिपो खत्म करने के आदेश को भी खत्म करने के निर्देश दे दिए हैं। सवाल यह नहीं है कि यह फैसला कब और किन परिस्थितियों में लिया गया सवाल यह है कि इतने बड़े फैसले से मंत्री अनभिज्ञ थे तो अखबार व मीडिया में खबर आने पर भी उन्होंने कोई आपत्ति क्यों नहीं की? इससे साफ होता है कि जब अधिकारियों की मर्जी से ही सब होता है तो मंत्री महोदय की क्या जरूरत है? सरकार कोई फैसला ले और फिर अपने फैसले को उसे वापस लेना पड़े तो इसमें मंत्री महोदय की तो किरकिरी होती है और उनकी योग्यता पर भी सवाल उठते हैं साथ ही सरकार की भी किरकिरी होती है। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत के उटपटांग फैसलों के कारण ही उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ी थी और उनके बाद आए मुख्यमंत्रियों को उनके फैसले वापस लेने पड़े थे। जिसे लेकर सरकार की बड़ी फजीहत हुई थी। उत्तराखंड जैसे राज्य में किसी का भी मुख्यमंत्री या मंत्री बन जाना भी अजीब इत्तेफाक रहा है। लेकिन इस इत्तेफाक के नतीजों से सरकार की खूब फजीहतें भी होती रही है। यह ठीक वैसा ही है जैसे अनाड़ी का खेलना और खेल का सत्यानाश करना। मुख्यमंत्री और मंत्री जैसे पदों पर बैठे लोगों को अपनी भाव-भाषा और कार्यशैली का विशेष ध्यान रखना होता है। लेकिन राज्य के नेता इसमें हमेशा विफल साबित हुए हैं। जनता दरबार में पूर्व सीएम त्रिवेंद्र का एक शिक्षिका पर भड़कना और अपना आपा खो देना, भी एक ऐसी घटना थी जिसके लिए उनकी चौतरफा निंदा हुई थी। परिवहन मंत्री चंदन राम दास जो पहली बार मंत्री बने हैं, वर्तमान डिपो समाप्त करने का यह प्रकरण उनके नौसिखिया होने का प्रमाण है लेकिन ऐसी घटनाएं सरकार की तो किरकिरी कराती ही है मंत्रियों की साख भी खराब करती हैं और जनता को हंसने का मौका देती है।

24 में गैर-भाजपावाद ?

हरिशंकर व्यास

संभव नहीं कि ऐसा कोई सीन बने। यों ऐसे आशावादी है जो मानते है कि विपक्ष से सन् 2०24 में भाजपा को मुश्किल होगी। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर इसकी गणित बताते हुए है। उन्हे क्षत्रपों से भरोसा है। लेकिन आम चुनाव में गणित से ज्यादा जनता से कनेक्टीविटी की केमेस्ट्री का मतलब होता है। और ऐसा नेता की बदौलत। गौर करें हाल के दो-चार महिनों पर। ममता बनर्जी लगातार राष्ट्रीय राजनीति की फू-फा करते हुए है। हाल में उन्होने विरोधी पार्टियों के नेताओं को पत्र लिखा। ऐसे ही तेलंगाना के चंद्रशेखर राव ने मुंबई जा कर शरद पवार से बात की। द्यश्द्म ह्यड्डद्धड्ड द्द्यद्दष्ह्लद्बश्ठ 2०24

शरद पवार अर्से से राष्ट्रीय महत्वकांक्षा में फडफडाते हुए है। उधर प्रशांत किशोर ममता बनर्जी, शरद पवार आदि के साथ अखिल भारतीय चुनावी जमीन बनाने की कोशिश में है। मगर क्या कोई एक भी नेता, एक भी कोशिश वह स्पार्क लिए हुए है जिससे सबका लक्ष्य एक दिशा में जाता समझ आए? एक भी कोई नेता वैसे धुरी बनता हुआ लगता है जैसे सन् 1977 में जयप्रकाश नारायण थे, 1989 में हरकिशनसिंह सुरजीत, वीपीसिंह हुए थे या बाद में अटलबिहारी वाजपेयी के इर्द-गिर्द जमावड़ा बना था।

हां, गैर-कांग्रेसवाद के खिलाफ भारत में विपक्षी गठजोड तभी कामयाब हुआ जब दो -चार नेता धुन के साथ पार्टियों को मनाने-पटाने, प्रोग्राम बनवाने, आंदोलन करवाने में जुटे रहे। चंद्रबाबू नायडू, शरद यादव से ले लेकर सीपीएम के हरकिशन सिंह सुरजीत की भागदौड जबरदस्त हुआ करती थी। दक्षिण में भी एनटी रामाराव, रामकृष्ण हेगड़े और चंद्रबाबू नायडु ने कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष बनाने के लिए कम काम नहीं किया था। आज कौन है? चंद्रशेखर राव में छटपटाहट है लेकिन उन्हे भी यह समझ नहीं आता कि कांग्रेस की धुरी के बिना विपक्ष खड़ा नहीं हो सकता। और कांग्रेस की दिक्कत यह है कि वह लगातार निराकार लीडरशीप में है। राहुल गांधी अपनी पार्टी के भीतर ही नेताओं का मन जीते हुए नहीं है तो केसीआर, ममता, शरद पवार, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल से कैसे कैमेस्ट्री बना सकते है।

पहली बात पार्टियों और उनके नेताओं के साथ कौन बात करें? पार्टियों के बीच कौन संवाद बनवा सकता है? किसके बस में साझा प्रोग्राम, साझा चुनावी रणनीति और साझा आंदोलनों का खांका बनवाना संभव है? लेफ्ट नेता सुरजीत का अपना कोई करिश्मा नहीं था लेकिन बावजूद इसके उन्होने गैर-कांग्रेसी राजनीति में अंहम रोल अदा किया। लेफ्ट की विरासत के सीताराम यचूरी भी जमीनी राजनीति में बेमतलब है लेकिन तमाम विरोधी पार्टियों के साथ सीधे उनका कहीं कोई टकराव नहीं है तो सोनिया गांधी, राहुल गांधी, केसीआर, लालू, अखिलेश और ममता के बीच सुरजीत जैसी भागदौड करें तब भी कुछ विपक्षी तालमेल की गति बने। मगर नेताओं की जगह प्रशांत किशोर की भागदौड का हल्ला सुनाई दे रहा है।

दरअसल जैसे क्षेत्रिय पार्टियों का मामला है वैसे अब लेफ्ट और कांग्रेस का भी है। ये भी अपने-अपने राज्य में सिमट गए है। गैर-कांग्रेसवाद के समय जनसंघ, समाजवादी, स्वतंत्र पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय सरोकारों में सोचती हुई थी। राष्ट्रीय पार्टियां बाकि पार्टियों को लीड करती थी। अब ममता बनर्जी, केसीआर या केजरीवाल अपने इलाके में रहकर धुरी बनने की खामोख्याली में है। अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन, कुमारस्वामी में सभी अपने प्रदेश में सिमटे हुए या अपने विस्तार की चिंता में है।

शरद पवार ने की पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात

नई दिल्ली। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात दोपहर में संसद में प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई। इस मुलाकात की खास बात यह रही कि दोनें की बैठक के दौरान कोई अन्य नेता मौजूद नहीं था। सामने आई जानकारी के अनुसार दोनों के बीच करीब २० से २५ मिनट तक चर्चा हुई। हालांकि सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र को लेकर दोनों नेताओं में चर्चा हुई। इस मुलाकात का समय इसलिए भी अहम है क्योंकि महाराष्ट्र में वर्तमान राजनीतिक पारा चरम पर है। सत्तारूढ़ दल और विपक्ष आमने–सामने हैं। वहीं, संजय राउत के खिलाफ भी मंगलवार को ईडी ने कार्रवाई की थी और उनकी कुछ संपत्तियों को जब्त किया था। ईडी ने भूमि सौदों से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत शिवसेना सांसद संजय राउत की पत्नी और उनके दो सहयोगियों की ११.१५ करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। इससे पहले नितिन गडकरी की भी शरद पवार की मंगलवार को मुलाकात हुई थी। शरद पवार ने रात्रिभोज का आयोजन किया था, इसमें गडकरी के साथ–साथ संजय राउत भी शामिल हुए थे।

टैक्सी में सवार महिला के जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। टैक्सी से नेपाली फार्म से रिस्पना पुल तक आयी महिला के जेवरात चोरी हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामपुर भटटोवाली निवासी मनीषा पत्नी प्रदीप कुमार ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह 11 बजे के करीब में अपनी मां श्रीमति सुशिला देवी तथा दो बच्चों के साथ नेपाली तिराह से देहरादून के लिए वाहन में बैठी में तथा मेरी मां और मेरे बच्चे बीच की सीट में बैठे थे। तो उसमें बैठे व्यक्तियों ने मेरे बैग को पीछे रखने को कहा मैने मना किया तो उन्होंने जोर देकर मेरा बैग हमारी सीट के पीछे रखवा दिया। जहाँ पर पहले से ही दो लोग बैठे थे तथा एक व्यक्ति ड्राईवर की सीट से उतरकर पीछे सीट पर बैठ गया। जब मे रिस्पना पुल के पास गाड़ी से उतरी तो मेने बैग खोलकर देखा तो उस बैग में रखे मेरे सोने के जेबरात गायब थे यह घटना उन्हीं लोगो द्वारा की गई है जो गाड़ी में पीछे बैठे थे मेरे जेबर नेपाली तिराह से आगे आते समय उन्हीं लोगों द्वारा चुराए गए है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वेद यस्त्रीणि विदथान्येषां देवानां जन्म सनुतरा च विप्रः।'
'ऋजु मर्तेषु वृजिना च पश्यन्नभि चष्टे सूरो अर्य एवान्‌' (ऋग्वेद ६–५१–२)

ज्ञानी मनुष्य सूर्य के समान अपने ज्ञान के प्रकाश से सबको प्रकाशित करता है। इन्द्रियों पर उसका नियंत्रण होता है। वह सूर्य, चंद्रमा आदि ग्रहों की उत्पत्ति के बारे में जानता है। वह यह भी जानता है कि मनुष्य ज्ञान, कर्म और उपासना के माध्यम से अपने मोक्ष के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। वह अपने विवेक से सही और गलत में भेद करता है। ऐसा प्रबुद्ध व्यक्ति सम्मान का पात्र ह।

The enlightened man, like the sun, illuminates all with the light of his knowledge. He has control over his senses. He knows about the origin of planets like the Sun, the Moon, etc. Furthermore, he also knows that man can achieve his goal of salvation through knowledge, action, and worship. Through his conscience, he distinguishes between right and wrong. Such an enlightened man deserves respect. (Rig Veda 6-51-2)

गन्ने के भुगतान व ईडी के ट्रांसफर की मांग को लेकर किसान मोर्चा की बैठक

सवांददाता

देहरादून। गन्ने का भुगतान व ईडी के ट्रासफर की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक मोर्चा खोला।

आज यहां गन्ना सोसाइटी के किसान भवन में डोईवाला संयुक्त किसान मोर्चे की एक महत्वपूर्ण बैठक दलजीत सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें कई महत्वपूर्ण विषयों पर गम्भीरता से चर्चा कर प्रस्ताव पास किये गए। बैठक में

वक्ताओं ने डोईवाला गन्ना किसानों का भुगतान समय पर नहीँ किये जाने को लेकर वर्तमान ईडी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। किसानों ने समय से भुगतान न होना वर्तमान अधिशासी निदेशक को जिम्मेदार ठहराते हुए उसके हस्तांतरण की मांग की। बैठक में तय किया गया कि 11 अप्रैल 2022 को प्रदेश गन्ना मंत्री से मिलकर शीघ्र भुगतान करने और मौजूदा ईडी को वापस बुलाए जाने की मांग की जाएगी। बैठक के पश्चात किसानों ने किसान सभा जिलाध्यक्ष दलजीत सिंह की अगुवाई में उपजिलाधिकारी से मिलकर शीघ्र भुगतान कराये जाने की मांग का ज्ञापन भी प्रेषित किया गया।

बैठक को गन्ना सोसायटी के चेयरमैन मनोज नौटियाल,मोर्चे के अध्यक्ष ताजिन्दर सिंह, किसान सभा जिला संयक्त सचिव याकूब अली, किसान यूनियन जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह खालसा, बलबीर सिंह, उमेद बोरा, जाहिद अंजुम, कोंग्रेस नेता मोहित उनियाल ,सपा नेता फुरकान अहमद कुरेशी, गौरव मल्होत्रा, कमल अरोड़ा, आदि ने भी सम्बोधित किया। बैठक में अनूप पाल, प्रताप सिंह, बलवन्त सिंह, हरबंश सिंह, प्यारा सिंह,सरजीत सिंह, रविन्द्र सिंह,जागीर सिंह, इतवार सिंह, रविन्द्र कुमार, जगपाल आदि उपस्थित थे ।

कैबिनेट मंत्री चंदन रामदास ने यमुना कॉलोनी स्थित निवास में किया गृह प्रवेश।

देहरादून निगम निगम का प्लास्टिक मुक्त अभियान तेज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देहरादून नगर निगम की ओर से स्वच्छ सर्वेक्षण–२०२२ के तहत चलाया जा रहा प्लास्टिक मुक्त अभियान तेज कर दिया गया है। बीते एक हफ्ते पूर्व २६ मार्च को शुरू किये गये इस अभियान के तहत शहर के १०० स्कूलों के २५ से ३० हजार बच्चों और उनके परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान सिटीजन इंगेजमेंट और पर्यावरण पर काम करने वाली संस्था एसडीसी फाउंडेशन के साथ मिलकर चलाया जा रहा है।

मेयर सुनील उनियाल गामा ने इस अभियान को देहरादून के लिए मील का पत्थर बताते हुए अब तक हुई प्रगति को संतोषजनक बताया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इसी तरह से अभियान आगे बढ़ता रहा तो तेज़ी से निर्धारित लक्ष्य हासिल हो पाएगा।

सुनील उनियाल गामा के अनुसार २ अप्रैल तक ८० स्कूलों ने इस अभियान से जुड़ने की सहमति जता दी है। इसके अलावा २७ स्कूलों का विस्तृत पंजीकरण पूरा हो चुका है।

मेयर ने कहा कि पिछले ५ दिनों में ५० स्कूलों का दौरा किया गया है और ८ स्कूलों ने अभियान में शामिल होने संबंधी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। इसके अलावा कई स्कूलों ने प्लास्टिक इकट्ठा करने का काम शुरू कर लिया है। अभियान के तहत भाग लेने वाले प्रत्येक स्कूल में एक प्लास्टिक बैंक खोला जाएगा।

मेयर ने कहा की स्कूली बच्चे सिंगल यूज़ प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर प्लास्टिक बैंक में जमा करेंगे। अभियान की समाप्ति पर प्रति छात्र सबसे ज्यादा प्लास्टिक् एकत्रित करने वाले स्कूलों को पुरस्कार दिया जाएगा।

मेयर सुनील उनियाल गामा के अनुसार अब तक ३६३ प्लास्टिक प्रहरी (छात्र स्वयंसेवकों) का एक नेटवर्क तैयार किया जा चुका है। इसके अलावा अधिक से अधिक छात्रों और उनके परिवारों तक पहुंचने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस हफ्ते हम अभियान में भागीदारी कर रहे बाकी स्कूलों तक पहुंच जाएंगे। इस नेटवर्क मे प्लास्टिक संरक्षक और प्लास्टिक योद्धा को भी शामिल किया जा रहा है ।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने सत्यनारायण मन्दिर के पास एक एक्टिवा सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने एक्टिवा से 50 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम शिवकांत सिलवाल पुत्र जसोधर प्रसाद निवासी नरेन्द्र नगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

तीन जुआरी गिरफ्तारी

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ताश के पत्ते व नगदी बरामद कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार थाना पुलिस को सूचना मिली कि पीर की माडी के पास कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वहां से तीन लोगों का ताश के पत्तों से हारजीत की बाजी लगाते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से ताश के पत्ते व बीस हजार रूपये नगद बरामद कर लिये। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सुजीत चौहान पुत्र धुरई चौहान निवासी शास्त्रीनगर खाला, विजेन्द्र सिह पुत्र दर्शन सिहं निवासी कांवली गांव व विनोद सैनी पुत्र जयसिंह सैनी निवासी सेठी मार्केट बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वर्ल्ड प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच में सहवाग इंटरनेशनल स्कूल ने की जीत दर्ज

विशेष संवाददाता

देहरादून। वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फरुखनगर, गुड़गांव के प्रांगण में वर्ल्ड प्रीमियर लीग क्रिकेट मैचों में आज सहवाग इंटरनेशनल स्कूल और कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल के मध्य फाइनल मैच बहुत ही रुचिपूर्ण खेला गया। जिसमें सहवाग इंटरनेशनल स्कूल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया, कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल ने 9 विकेट के नुकसान पर 16 ओवर में 53 रन बनाये जबकि सहवाग इंटरनेशनल स्कूल ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 1 विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर 9 विकेट से जीत हासिल की। सहवाग इंटरनेशनल स्कूल के पंकज को मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया।

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के रजिस्ट्रार युद्धवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सहवाग इंटरनेशनल स्कूल से आदर्श को मैन ऑफ द सीरीज के खिताब से नवाजा गया। 30 रन, 11विकेट व 4 कैच लेने पर सीरीज के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल से सूरज को, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का खिताब के लिए वेस्ली इंटरनेशनल स्कूल से अंकित को, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब के लिए लॉर्ड कृष्णा इंटरनेशनल स्कूल से ललित को, सर्वश्रेष्ठ कैच के लिए सहवाग इंटरनेशनल स्कूल से वैभव को चुना गया।

वर्ल्ड प्रीमियर लीग क्रिकेट मैचों में विजेता टीम सहवाग इंटरनेशनल स्कूल को प्रथम पुरस्कार 51000 हजार रुपये का इनाम ट्रॉफी के साथ दिया गया तथा कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल को द्वितीय पुरस्कार 21000 हजार रुपये का इनाम ट्रॉफी के साथ दिया गया। वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के मैनेजिंग ट्रस्टी कुंवर निशांत सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ मानसिक व शारीरिक विकास के लिए खेल भी बहुत जरूरी है इसलिए प्रत्येक छात्र को पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस अवसर पर निदेशक ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) आर.के कौशिश, डॉ. अजय कुमार डागर (प्रिंसिपल), डॉ. क्षमता चुघ विभागाध्यक्ष एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमॉटिएस, नितिन सिंघल डब्ल्यूपीएल समन्वयक, कमल शर्मा असिस्टेंट डायरेक्टर (ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट), अंकित सेठी विभागाध्यक्ष सिविल इंजीनियरिंग, डॉ. नेहा विभागाध्यक्ष मैनेजमेंट डिपार्टमेंट और मोनिका सैनी विभागाध्यक्ष कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग उपस्थित रहे।

स्मैक सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर शाम 6.25 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को शिवालिक नगर जेकेटी कलेस्टर रोड के पास स्थित मैदान के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया।

पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 6.25 ग्राम स्मैक बरामद की। पूछताछ में उसने अपना नाम नरेंद्र सिंह पुत्र शिशुपाल निवासी ग्राम अंबेडकर नगर थाना कटघर जनपद मुरादाबाद हाल निवास रावली महदूद मे किराएदार बताया।

भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शनों सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

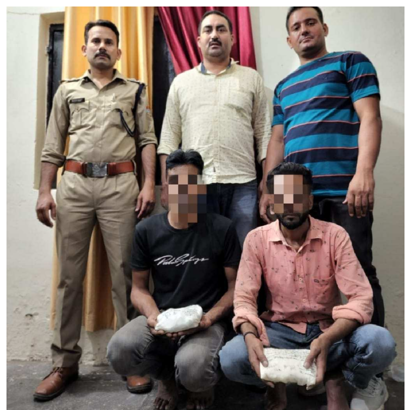

नैनीताल। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दो नशा तस्करों को दबोच कर उनके पास से 63 नशीले इंजेक्शन बरामद किये है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना बनभूलपुरा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को चोरगलिया रोड वनभूलपुरा के समीप दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से 63 नशीले इंजेक्शन बरामद किये। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम मोहसिन खान उर्फ जोशी पुत्र असलम खान व इमरान खान पुत्र अब्दुल कादिर निवासी वनभूलपुरा बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

थानों, कोतवालियों में दर्ज मुकदमों से अनभिज्ञ होते हैं प्रभारी?

संवाददाता

देहरादून। थानों, कोतवालियों में मुकदमें तो दर्ज होते हैं लेकिन थानेदार व कोतवाल उससे अनभिज्ञ होते हैं यह अपने आपमें एक मजाक लगता है। लेकिन थानेदार व कोतवाल यह कहने से नहीं चूकते की कौन सा मुकदमा है इसका मुझे पता नहीं है?

यह एक चौकाने वाली बात है कि प्रदेश के कोतवालियों, थानों में मुकदमें पहले तो दर्ज ही नही होते है और कहीं दर्ज भी हो जायें तो इसके बारे में उनके प्रभारियों को पता ही नही होता? यह अपने आप में काफी सोचने का विषय है कि जब थानेदार या कोतवाल को अपने थाना कोतवाली में दर्ज मुकदमों के बारे में जानकारी नहीं है तो जांच अधिकारी की नियुक्ति कौन करता है? क्या मुंशी इतना पावरफुल होता जा रहा है कि वह एक दरोगा को अपने विवेक से जांच सौप सकता है। यह यहां की एक परम्परा सी बनती जा रही है कि कोतवाल व थानेदार अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक ही जुमला गाते सुनायी देते हैं कि उनको नहीं पता कि उनके थाने में कौन सा मुकदमा दर्ज हुआ है। जबकि ऐसा होता नहीं है कोई भी मुकदमा दर्ज होने से पहले प्रभारी की टेबल पर जाता है तथा उसका अवलोकन करने के बाद अपराध की गम्भीरता को देखते हुए जांच अधिकारी तय किया जाता है। लेकिन यहां यह नयी परम्परा कायम हो गयी हो तो इसका अधिकारियों को भी पता होना चाहिए।

अगर किसी अधिकारी से पूछो कि फलां थाने में एक मुकदमा दर्ज हुआ है तो वह साफ शब्दों में कहता है कि सम्बन्धित थानेदार से पूछ लो और थानेदार से पूछा जाये तो वह साफ कह देता है कि उसका पता नहीं है? अब यहां पर एक बात तो साफ हो जाती है कि सीओ, एसपी झूठ बोल रहे हैं या फिर थानेदार? जो भी झूठ बोल रहा है लेकिन है यह गलत? जब किसी थानेदार व कोतवाल को अपने थाने चौकी में घटने वाले अपराधो की जानकारी नहीं है तो उसको पद पर बने रहने का भी अधिकार नहीं है? यहां अधिकारियों को भी चाहिए कि अगर ऐसी कोई शिकायत मिले तो उसको गम्भीरता से लिया जाये ना कि मजाक मे लेकर उस तरफ से अपना ध्यान ही हटा लें। क्योंकि यह परम्परा प्रदेश के लिए सही संकेत नहीं है?

साउथ फिल्म की हिन्दी रीमेक के लिए हाथ मिलाएंगे एटली और वरुण धवन

बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों के कलाकार एक-दूसरे के साथ काम कर रहे हैं। वर्तमान में कई साउथ फिल्मों की हिन्दी रीमेक भी बन रही हैं। अब सुनने में आ रहा है कि साउथ के दिग्गज निर्देशक एटली एक फिल्म के लिए वरुण धवन के साथ हाथ मिलाएंगे। खबरों की मानें तो एटली अपनी फिल्म थेरी की हिन्दी रीमेक के लिए वरुण को कास्ट करेंगे। यह तमिल भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो 2016 में रिलीज हुई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, वरुण साउथ निर्देशक एटली की तमिल फिल्म थेरी की हिन्दी रीमेक में नजर आ सकते हैं। वरुण फिल्म को लेकर एटली से बातचीत कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, वरुण एटली से मिल चुके हैं और वे जल्द ही एक साउथ फिल्म की हिन्दी रीमेक में एक साथ काम करने वाले हैं। इस बात की प्रबल संभावना है कि यह फिल्म विजय और सामंथा रुथ प्रभु अभिनीत थेरी हो सकती है।

खबरों की मानें तो मेकर्स ने इस फिल्म के लिए लगभग दो साल पहले वरुण को अप्रोच किया था। अब लगता है कि थेरी की रीमेक के लिए बात बन गई है। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म ही हिन्दी रीमेक में और कौन-कौन से कलाकार दिखेंगे, इसको लेकर भी कुछ नहीं बताया गया है। उम्मीद है कि इंडस्ट्री की कोई टॉप हिरोइन फिल्म में वरुण की जोड़ीदार बनेंगी।

एटली शाहरुख खान को साथ लेकर एक फिल्म बना रहे हैं। दोनों पहली बार एक-दूसरे के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म में एटली ने शाहरुख के साथ साउथ की मशहूर अभिनेत्री नयनतारा को कास्ट किया है। इसके जरिए एटली पहली बार किसी हिन्दी फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। फिल्म का संगीत एआर रहमान देंगे। एटली ने अल्लू अर्जुन को भी एक फिल्म ऑफर की है, जिसके लिए उन्हें 100 करोड़ रुपये फीस दी जाएगी।

अपने शानदार निर्देशन के लिए मशहूर एटली मार्सल और बिजिल जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी पहली ही फिल्म राजा रानी के लिए विजय अवॉर्ड अपने नाम कर लिया था। ऐसे में वरुण और एटली की जोड़ी दमदार होगी।

वरुण फिल्म रणभूमि को लेकर चर्चा में हैं। उनका नाम हॉरर कॉमेडी फिल्म भेड़िया से जुड़ा है। इस फिल्म में उनके साथ कृति सैनन नजर आएंगी। फिल्म इक्कीस भी वरुण के खाते से जुड़ी है। नितेश तिवारी की रोमांटिक फिल्म में वरुण कियारा आडवाणी के साथ इश्क फरमाएंगे। सिटाडेल के हिन्दी वर्जन में भी वरुण अपना जौहर दिखाने वाले हैं। यह प्रियंका चोपड़ा की अमेरिकी ड्रामा सीरीज सिटाडेल का देसी संस्करण होगा। (आरएनएस)

मशहूर गायक अमर सिंह चमकीला की बायोपिक में दिलजीत दोसांझ की एंट्री

पंजाबी सिनेमा के सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ ना सिर्फ एक अच्छे गायक, बल्कि एक बेहतरीन अभिनेता भी हैं। उन्होंने कई फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। पंजाबी फिल्मों से परे बॉलीवुड में भी दिलजीत ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों के बीच एक अलग छाप छोड़ी है। अब वह एक बार फिर खबरों का हिस्सा बन गए हैं। दरअसल, लोकप्रिय गायक अमर सिंह चमकीला की बायोपिक दिलजीत के हाथ लग गई है। जब से निर्देशक इम्तियाज अली ने जाने-माने सिंगर अमर सिंह चमकीला के जीवन पर बनने वाली फिल्म के राइट्स खरीदे थे, तभी से यह चर्चा जोरों पर थी कि इसमें लीड रोल कौन करेगा। अब इस राज से भी पर्दा हट गया है।

इम्तियाज पिछले साल से चमकीला के बेटे जयमान चमकीला के घर लुधियाना लगातार जाते रहे और बायोपिक से जुड़े हर अपडेट के बारे में परिवार को जानकारी देते रहे। इम्तियाज ने स्क्रिप्टिंग पूरी कर ली है और समय के साथ स्क्रिप्ट में बदलाव किया है। अमर सिंह चमकीला की लव लाइफ, विवाद, संगीत और हत्या कहानी का हिस्सा होगा। इम्तियाज के लिए यह फिल्म बेहद खास है और उन्हें पूरा भरोसा हैं कि दिलजीत इस किरदार में जान डाल देंगे। दिलजीत की बात करें तो वह अपने करियर में पहली बार किसी बायोपिक का हिस्सा नहीं बने हैं। इससे पहले भी उन्होने हॉकी प्लेयर संदीप सिंह की बायोपिक की थी, जिसका नाम सूरमा था। इसमें दिलजीत ने संदीप सिंह का जीवन पर्दे पर उतारा था। अमर सिंह चमकीला एक ऐसा नाम हैं, जिन्हें पंजाबी लोकगीत और अपनी बेहतरीन स्टेज परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है। चमकीला मशहूर पंजाबी सिंगर थे। वह खुद ही अपने गाने लिखते थे। उनका अपना एक बैंड था, जिसमें दो लोग और उनकी पत्नी थीं, जिनके साथ वह गाना गाते और तुम्बी बजाया करते थे। 1988 में जब चमकीला महसामपुर पंजाब में एक फरफॉर्मेंस देने जा रहे थे, उस दौरान बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया था। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मियों में करें गन्ने के जूस का सेवन, फायदे जान आप रह जाएंगे हैरान

गर्मियों का मौसम आते ही ठंडे पेय पदार्थ पीने का मन करता है जिसमे सबसे ज्यादा पसंद किया जाता हैं गन्ने का जूस। गर्मियों की शुरुआत होते ही जगह-जगह गन्ने के जूस की दुकान और ठेले देखने को मिल जाते हैं। चिलचिलाती धूप में गन्ने का जूस किसी अमृत से कम नहीं है। गर्मियों के दिनों में यह सस्ता और बेहद गुणकारी साबित होता हैं। कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, मैग्नेशियम, फॉस्फोरस, विटामिन ए, बी1, बी2, बी3, बी5, बी6 और विटामिन सी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर गन्ने का रस शरीर को कई तरह के फायदे पहुंचाता हैं जिसके बारे में आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं। तो आइये जानते हैं...

लिवर को डिटॉक्सीफाई करता है

गन्ने का जूस लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। ये लिवर को डिटॉक्सीफाई करने का काम करता है। गन्ने के रस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स लिवर के विषैले तत्वों को बाहर निकालकर उसे इंफेक्शन से बचाते हैं। पीलिया के रोग में गन्ने के जूस को काफी फायदेमंद माना जाता है।

पाचन तंत्र होता है मजबूत

रोजाना गन्ने का जूस पीने से पाचन शक्ति मजबूत हो जाती है। जिससे खाना पचने में आसानी होती है। गन्ने का जूस मेटाबॉलिज्म रेट को बढ़ाता है जिससे आपका वजन आसानी से कम हो जाता है। गन्ने का रस शरीर के लिए फायदेमंद होता है। बाजार में मिलने वाली अन्य ड्रिंक की तुलना में ये बेहतर होता है।

कैंसर से करता बचाव

आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन गन्ने के रस में ऐसे कई तत्व होते हैं जो शरीर का कैंसर से बचाव करते हैं। प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से लड़ने में गन्ने के रस को काफी कारगर माना जाता है।

दिल की बीमारियों में कारगर

गन्ने का जूस दिल से जुड़ी बीमारियों में भी बहुत फायदेमंद होता है। गन्ने का जूस शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करके दिल की कोशिकाओं में फैट को जमने से रोकता है। जिससे दिल की बीमारियों के होने का चांस कम हो जाता है।

ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता

तमाम विशेषज्ञों का मानना है कि अगर

गन्ने का रस रोज पीया जाए तो वो ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्या से बचाव करता है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, आयरन और पोटैशियम जैसे तत्व हड्डियों को मजबूती देने का काम करते हैं।

थकान होती है दूर

जैसा कि गर्मी, धूप और उमस से गर्मियों के सीजन में हर किसी को दिक्कत होती है। मौसम की मार पड़ने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है और डिहाइड्रेशन की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं, गर्मी से बहुत अधिक सुस्ती और थकान महसूस हो सकती है। इन सभी परेशानियों को कम करता है गन्ने का जूस। ईख या गन्ने का रस पीने से शरीर को इंस्टैंट एनर्जी मिलती है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

यूरिन इंफेक्शन की समस्या से बचाव महिलाओं को अक्सर जल्दी जल्दी यूरिन इंफेक्शन हो जाता है। ऐसे में अगर वे नियमित तौर पर गन्ने का जूस पीएं तो उन्हें काफी फायदा मिल सकता है। गन्ने का रस शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालता है और यूटीआई इंफेक्शन का रिस्क घटाता है।

डायबिटीज रोगी भी करें सेवन

एक शोध के मुताबिक, अतिरिक्त शुगर और नमक के बिना तैयार किए गए गन्ने के जूस का सेवन शुगर के मरीज भी कर सकते हैं। गन्ने का जूस पीने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। गन्ने के जूस में नेचुरल शुगर मौजूद होती है। इसके अलावा इसमें ग्लाइसेमिक एसिड मौजूद होता है।

स्किन को ग्लोइंग बनाता है

अगर आपकी स्किन डल हो गई है या समय से पहले झुर्रियों की परेशानी हो रही है तो आपको नियमित तौर पर गन्ने का रस पीना चाहिए। ये एंटी एजिंग साइन्स हटाता है, स्किन को चमकदार बनाता है और मुंहासों जैसी समस्याओं को दूर करता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 86

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

1		2			3	4	5	■
	■		■	■	6			■
7			8	■	■	■	■	9
	■	■	10		11	■	12	
13	14			■	15	16	■	
■		■	■	■	17			
18		19	■	20	■		■	■
	■	21			■	22		23
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 85 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सिनेमाघरों में रिलीज नहीं होगी जान्हवी कपूर की फिल्म गुड लक जैरी?

जान्हवी कपूर आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आएंगी। गुड लक जैरी भी उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म में जान्हवी एक अलग ही अवतार में दिखने वाली हैं। इस वजह से प्रशंसकों के बीच भी उनकी इस फिल्म को लेकर उत्सुकता है। फिल्म की रिलीज से जुड़ीं पहले भी कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं और अब खबर है कि फिल्म सीधे डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, गुड लक जैरी के निर्माता आनंद एल राय ने इसे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर लाने का फैसला किया है। फिल्म के निर्माताओं की इस सिलसिले में लगातार हॉटस्टार से बातचीत चल रही है। राय को ओटीटी से शानदार ऑफर मिला है और वह इसे अंतिम रूप देने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। राय का मानना है कि सिनेमाघरों की तुलना में गुड लक जेरी को ओटीटी पर बेहतर और बड़ी रिलीज मिलेगी। गुड लक जैरी राय की तीसरी फिल्म होगी, जो सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी की राह पकड़ेगी। पहले उनकी फिल्म हसीन दिलरूबा नेटफ्लिक्स पर आई थी। आखिरी बार राय की धनुष, सारा अली खान और अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म अतरंगी रे हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई थी।

जान्हवी की भी यह पहली फिल्म नहीं है, जो ओटीटी पर आएगी। इससे पहले उनकी फिल्म गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल ने भी रिलीज के लिए डिजिटल जगत का रुख किया था। २०२० में कोरोना महामारी की पहली लहर के बीच उनकी इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया गया था। फिल्म में जान्हवी ने पायलट गुंजन सक्सेना का किरदार निभाया था। हालांकि, इस फिल्म की कहानी और इसमें जान्हवी का अभिनय दर्शकों को कुछ खास पसंद नहीं आया।

गुड लक जैरी एक ब्लैक कॉमेडी क्राइम फिल्म है। यह २०१८ में आई फिल्म तमिल कोलामावू कोकिला का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में नयनतारा ने लीड रोल निभाया था। अब जाह्नवी को नयनतारा के रोल में उतरते हुए देखना दिलचस्प होगा। इस फिल्म में दीपक डोबरियाल, मीता वशिष्ठ, नीरज सूद और सुशांत सिंह भी अहम किरदार में नजर आएंगे। पिछले साल ही इस फिल्म से जान्हवी का लुक रिलीज हो गया था, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया था। (आरएनएस)

व्हाइट शॉर्ट्स में नम्रता मल्ला ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

भोजपुरी एक्ट्रेस नम्रता मल्ला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अपनी तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती है। नम्रता मल्ला सोशल मीडिया सेंसेशन बन चुकी हैं। नम्रता मल्ला की फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है। नम्रता मल्ला अच्छी तरह जानती हैं कि उन्हें एक से बढ़कर एक पोज कैसे देना है। आजकल नम्रता मल्ला दुबई में हैं और वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। नम्रता मल्ला दुबई में एक यॉट पर घूम रही हैं और समंदर की लहरों का आनंद ले रही हैं। इस दौरान की उन्होंने कई फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में नम्रता मल्ला ने पिंक ब्रा और व्हाइट शॉर्ट्स पहने हुए हैं। व्हाइट शेड्स और ब्लैक एक्सेसरीज से अपने लुक में शीकनेस का तड़का लगाया हुआ है। पिंक लिप्स और न्यूड मेकअप नम्रता मल्ला के लुक को कम्प्लीट कर रहे हैं। फोटोज शेयर करते हुए नम्रता मल्ला ने कैप्शन में लिखा, खुद को फ्री करो और उड़ जाओ। फैन्स एक से बढ़कर एक कॉमेंट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, नम्रता मैम, आप बेहद खूबसूरत हैं और आपके चाहने वाले तो हर जगह हैं। दुबई से पहले नम्रता मल्ला गोवा की सैर पर निकलीं थीं। वहां से भी उन्होंने कई किलर फोटोज और वीडियोज शेयर किए थे। अब देखते हैं कि दुबई के बाद नम्रता मल्ला आगे कितना लंबा सफर तय करती हैं। दो घूंट सॉन्ग एक्ट्रेस नम्रता मल्ला दिन पर दिन हॉटनेस के सारे रिकॉर्ड तोड़ती जा रही हैं।

केजीएफः चैप्टर 2 के ट्रेलर ने मचाया धमाल, मिले 109 मिलियन से अधिक व्यू

कन्नड़ की सबसे चर्चित फिल्म केजीएफ: चैप्टर 2 का थिएट्रिकल ट्रेलर इस समय पूरे सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है।

यह बताया गया है कि यश-स्टारर के ट्रेलर ने 24 घंटों में पांच भाषाओं में 109 मिलियन से अधिक बार देखे जाने के बाद, सबसे अधिक देखे जाने वाले भारतीय ट्रेलर बनकर एक रिकॉर्ड बनाया है।

सोशल मीडिया पर बड़ी खबर शेयर करते हुए मेकर्स ने गर्व से कहा कि रिकॉर्डस, रिकॉर्डस, रिकॉर्डस। रॉकी को यह पसंद नहीं है, वह टालता है, लेकिन रिकॉर्डस रॉकी को पसंद करता है। वह इससे बच नहीं सकता। कन्नड़: 18मिलियन, तेलुगु: २०मिलियन, हिंदी: 51मिलियन, तमिल: 12मिलियन मलयालम: ८मिलियन।

दर्शक, विशेष रूप से रॉकिंग स्टार यश के प्रशंसक, प्रशांत नील द्वारा अद्भुत सिनेमैटोग्राफी, विस्फोटक एक्शन और अप्रत्याशित निर्देशन पर गदगद हो रहे हैं, ट्रेलर ने फिल्म को हाइप दे दिया है।

केजीएफ: चैप्टर 2 में बॉलीवुड के दिग्गज संजय दत्त और रवीना टंडन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में है। फिल्म 14 अप्रैल को रिलीज होगी।

केजीएफ: चैप्टर 2 कन्नड़, तेलुगु, हिंदी, तमिल और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी। केजीएफ: चैप्टर 2 प्रशांत नील द्वारा लिखित और निर्देशित है, जबकि यह विजय किरागंदूर द्वारा होम्बले फिल्म्स बैनर के तहत निर्मित है।

एसएस राजामौली की फिल्म में दिखेंगे साउथ स्टार अल्लू अर्जुन

पुष्पा: द राइज की सफलता ने साउथ अभिनेता अल्लू अर्जुन को एक पैन इंडिया स्टार बना दिया है। फिल्म के जरिए उन्हें देशभर में लोकप्रियता मिली। इस फिल्म के बाद उनकी मार्केट वैल्यू भी बढ़ी है। यही वजह है कि आज के दौर में हर कोई अल्लू के साथ काम करना चाहेगा। ऐसी चर्चा है कि वह महान निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म में नजर आएंगे। यह राजामौली और अल्लू की पहली फिल्म होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, अल्लू निर्देशक राजामौली की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं। मेकर्स ने इस फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए अल्लू को अप्रोच किया है। निर्माताओं से उनकी बातचीत चल रही है और यह बातचीत अभी शुरुआती दौर में है। दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए भी बहुत उत्साहित हैं। राजामौली और उनके पिता केवी विजयेंद्र प्रसाद इस फिल्म के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

एक सूत्र ने कहा, लॉकडाउन ने राजामौली और विजयेंद्र प्रसाद दोनों को अपने आइडियाज पर फिर से विचार करने और उसे कागज पर उतारने के लिए पर्याप्त समय दिया। एक विषय है जिस पर वह अल्लू के साथ काम करना चाहते हैं। इस कलाकार के साथ उन्होंने अब तक दो-तीन मुलाकातें कर ली हैं। महेश बाबू की फिल्म को पूरा करने के बाद राजमौली अल्लू की इस फिल्म का ऐलान करेंगे।

ऐसी खबर सामने आई है कि अल्लू संजय लीला भंसाली की फिल्म में दिखेंगे। उन्हें कुछ दिन पहले ही भंसाली के ऑफिस के सामने देखा गया था। दोनों ने काफी देर तक एक-दूसरे मुलाकात की थी। इसके बाद से ही ये कयास लगाए जा रहे हैं कि वे किसी फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। अल्लू का वह वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिसमें उन्हें भंसाली के ऑफिस के पास स्पॉट किया गया था।

अल्लू जल्द ही पुष्पा के दूसरे पार्ट पुष्पा: द रूल में नजर आएंगे।

अंदाज अपना अपना 2 में फिर दिखेंगे आमिर और सलमान?

हाल में आमिर खान ने अपना 57वां जन्मदिन मनाया है। अपने जन्मदिन के बाद से ही वह कई वजहों से सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता के जन्मदिन के खास मौके पर फिल्ममेकर राजकुमार संतोषी भी उनसे मिलने उनके घर पहुंचे। इस मुलाकात के बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि आमिर राजकुमार की फिल्म अंदाज अपना अपना 2 में दिखेंगे। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में फिर आमिर और सलमान खान साथ नजर आएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्ममेकर राजकुमार अंदाज अपना अपना 2 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इसको लेकर कहा, मैं स्क्रिप्ट लिख रहां हूं, लेकिन मुझे फाइनल स्टोरी से भी संतुष्ट होना चाहिए। इसलिए जब स्क्रिप्ट तैयार हो जाएगी, तो हम स्टारकास्ट और अन्य चीजों के बारे में सोचेंगे। इस बीच मेरी अन्य फिल्में भी पाइपलाइन में हैं। जाहिर तौर पर फैंस आमिर और राजकुमार की मुलाकात को इस फिल्म से जोड़कर देख रहे हैं।

जब राजकुमार से पूछा गया कि क्या सलमान और आमिर दोनों अंदाज अपना अपना के सीक्वल में दिखाई देंगे, तो इस सवाल पर फिल्ममेकर ने कुछ खास नहीं बताया। उन्होंने कहा, हमने अभी तक इसके बारे में नहीं सोचा है, अगर कहानी को उनके कैरेक्टर की आवश्यकता होगी, तो हम इस पर विचार करेंगे। अब फिल्म में सलमान और आमिर की जोड़ी बनती है या नहीं, ये तो आने वाले वक्त में पता चलेगा।

अंदाज अपना अपना को अपने जमाने की सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी फिल्म माना जाता है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म को अच्छी सफलता मिली थी। आमिर और सलमान के अलावा फिल्म में करिश्मा कपूर, रवीना टंडन, परेश रावल, शक्ति कपूर, टीकू तलसानिया और विजू खोटे जैसे कलाकार शामिल थे। फिल्म में आमिर ने अमर का किरदार निभाया था, जबकि सलमान ने प्रेम की भूमिका निभाई थी। फिल्म 1994 में दर्शकों के बीच आई थी।

राजकुमार ने अजब प्रेम की गजब कहानी, फटा पोस्टर तो निकला हीरो, हल्ला बोल, खाकी, लज्जा, द लीजेंड ऑफ भगत सिंह और फैमिली जैसी यादगार फिल्मों का भी निर्देशन किया है। सलमान मास्टर की हिन्दी रीमेक में दिखेंगे। टाइगर 3 में भी सलमान अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। वह शाहरुख खान की फिल्म पठान में नजर आने वाले हैं। कभी ईद कभी दिवाली और नो एंट्री 2 भी उनके खाते से जुड़ी हुई है। आमिर अभी जिस फिल्म को लेकर दर्शकों की जुबां पर हैं, वो है लाल सिंह चड्ढा। फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होगी। स्पेनिश फिल्म चैम्पियंस की हिन्दी रीमेक में भी आमिर नजर आएंगे।

दिनेश विजान की फिल्म में नजर आ सकती हैं वामिका गब्बी

अभिनेत्री वामिका गब्बी अपनी खूबसूरती के लिए वाहवाही बटोरती रहती हैं। लुक और ग्लैमर के मामले में वह बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियों को टक्कर देती हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। यही वजह है कि कई बड़े प्रोजेक्ट्स उनके खाते में हैं। अब एक और फिल्म के साथ इस अदाकारा का नाम जुड़ गया है। कयासों का बाजार गर्म है कि वामिका फिल्ममेकर दिनेश विजान की अगली फिल्म में नजर आएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, वामिका मशहूर फिल्ममेकर दिनेश की अगली फिल्म में नजर आ सकती हैं। वामिका को हाल ही में मुंबई में स्थित फिल्म निर्माता दिनेश के मैडॉक एंटरटेनमेंट के ऑफिस में स्पॉट किया गया था। ऐसी चर्चा चल रही है कि वह दिनेश की अगली फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। फिलहाल उनके कैरेक्टर के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। उम्मीद है कि जल्द इस संबंध में आधिकारिक घोषणा होगी।

दिनेश हॉरर शैली की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

उनके प्रोडक्शन में स्त्री और रूही जैसी फिल्में बनी हैं। वह वरुण धवन व कृति सैनन अभिनीत फिल्म भेड़िया को लेकर लाइम लाइट में हैं। इस फिल्म में वरुण एक राक्षस की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा उनके खाते में अभिषेक बच्चन की बहुप्रतीक्षित फिल्म दसवीं भी है। वह अरुण गोपालन की फिल्म तेहरान का भी निर्माण कर रहे हैं।

वामिका की बात करें तो वह बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड फिल्मों में कदम रखने वाली हैं। रिपोर्ट की मानें तो उन्होंने एक हॉलीवुड फिल्म साइन कर ली है। खबरों की मानें तो अपनी अंग्रेजी को दुरुस्त करने के लिए उन्होंने अंग्रेजी सीखना शुरू कर दिया है। इसके लिए वह अंग्रेजी भाषा की कक्षाएं ले रही हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ने से पहले वह अपना स्पीच और उच्चारण बेहतर करना चाहती हैं।

वामिका अमेरिकी रोमांटिक कॉमेडी टीवी सीरीज मॉडर्न लव के हिन्दी संस्करण में नजर आने वाली हैं। इसमें उनके साथ फातिमा सना शेख और प्रतीक गांधी भी नजर आएंगे। वेब सीरीज बाहुबली: बिफोर द बिगनिंग में वामिका अहम भूमिका में दिखेंगी। इस सीरीज को बाहुबली का प्रीक्वल माना जा रहा है। यह एक वेब सीरीज के तौर पर नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसमें कुल नौ एपिसोड होंगे। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही फिल्म खुफिया में भी वह दिखाई देंगी।

वामिका पंजाबी, हिन्दी और तमिल फिल्मों में काम कर चुकी हैं। करीना कपूर अभिनीत जब वी मेट में उन्हें देखा गया था।

वामिका को पंजाबी फिल्मों में बड़ा ब्रेक अमरिंदर गिल और हनी सिंह अभिनीत तू मेरा 22 मैं तेरा 22 से मिला था।

रावण जल्दी नहीं मरता!

हरिशंकर व्यास

राष्ट्रपति पुतिन न हताश होंगे और न हार मान सकते हैं। दुनिया और खास कर पश्चिमी दुनिया यूक्रेन का ध्वंस देख बूझ रही है कि रावण अब समझेगा। उसे लगेगा कि ध्वंस के बावजूद यदि यूक्रेन की वानर सेना लड़ रही है तो रास्ता निकालो। ये सब गलतफहमियां हैं। तभी तुर्की में बातचीत के बाद का आशावाद 48 घंटों में खत्म है। पुतिन और उनके कमांडर नए सिरे से मोर्चे बना रहे हैं। सेना की रिपोजिशनिंग हो रही है। कुछ जानकारों का मानना है कि पुतिन को सही सूचनाएं नहीं मिल रही हैं इसलिए लड़ाई है। पहली बात भला तानाशाह याकि रावण से सत्य बोलने, उसे सत्य बताने की हिम्मत कैसे हो सकती है। ऐसा ब्रेझनेव (अफगानिस्तान युद्ध), याह्या खान (बांग्लादेश), हिटलर (दूसरे महायुद्ध) के वक्त था तो राम-रावण की लड़ाई के समय भी था। रावण ने वानर सेना पर कितने अट्टहास लगाए थे? मेघनाद, कुंभकर्ण आदि के एक, एक कर मारे जाने के बावजूद उसका अजेय होने का घमंड क्या आखिर तक नहीं था?

हर तानाशाह राजा, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का अस्तित्व ही झूठ में जीने और जनता को झूठ खिलाने पर होता है। तभी सत्य पर गौर करें कि रूसी सेना की असफलता 35 दिनों से बोलती हुई है। वह प्रोफेशनल सेना की तरह नहीं, बल्कि राक्षसों की तरह लड़ रही है। मानव मूल्यों का बर्बर संहार कर रही है। कामयाबी से कोसों दूर है बावजूद इसके रूस में पुतिन का वैसे ही जयकारा है जैसे जर्मनी के लोगों का हिटलर के लिए था। कल्पना करें रूस के साढ़े 14 करोड़ लोगों की मनोदशा पर, वे यूक्रेन की अपनी स्लाविक नस्ल के भाइयों की बरबादी के बावजूद इस झूठ से जयकारा लगाते हुए हैं कि पुतिन हैं तो सब सही है।

इसलिए इन बातों का अर्थ नहीं है कि सेना की नाकामियों और नुकसान से पुतिन परेशान होंगे। पंद्रह हजार सैनिक मरें या लाख-दो लाख सैनिक मरें, पुतिन और उनकी लंका पर असर नहीं होगा। उलटे बेचैन और परेशान वे लोग होंगे, जो सत्य में, मानवीयता में जीते हैं। रूस और चीन दोनों देश उस नस्ल के प्रतिनिधि हैं, जिसमें कन्फ्यूशियस जैसे विचारकों ने राज्यसत्ता और राजा की सर्वोच्चता में उसके गुणों को धुव्रतारा बताया है वह जो अटल होता है और जिसकी ओर चांद-सितारे होते हैं। जारशाही, स्तालिनशाही और पुतिनशाही के रूस का लब्बोलुआब है कि प्रजा बार-बार बरबाद हो, बार-बार तानाशाही में मरती रहे लेकिन हर अनुभव को भुलाते हुए। हर क्रांति नई गुलामी बनवाने वाली। ऐसा ही चाइनीज सभ्यता और नस्ल का मसला है। हर क्रांति वहां मनुष्य की अधीनता का नया प्रयोग!

पते की बात कन्फ्यूशियस का राजा के लिए कहा यह वाक्य है कि मतलब नहीं रखता जो तुम कितने धीमे हो, असल बात कभी रूकना नहीं है। दुनिया को और खासकर भारत को इस गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए कि राष्ट्रपति शी जिनफिंग और उनकी कम्युनिस्ट सत्ता ने अपना जो भारत मिशन बनाया है वह समय की बदली चाल से या बातचीत से खत्म होगा। वह धीमी गति से बढ़ता हुआ अंतत: उसके वैसे ही सैनिक ऑपरेशन में बदलेगा जैसे पुतिन का यूक्रेन ख्याल धीरे-धीरे (2014 से) बढ़ा और अब युद्ध में सेना के धीमे सत्य के बावजूद बातचीत की आड़ में नई सैनिक मोर्चेबंदी बनवाते हुए है।

पुतिन सोच नहीं सकते हैं कि वे हार भी सकते हैं। उनकी शासन व्यवस्था का इकोसिस्टम और क्रेमलिन की चारदिवारी में वैश्विक निंदा, अलगाव, बहिष्कार, पाबंदियों का अर्थ नहीं है। उनका रोडमैप दीर्घकालीन मिशन लिए हुए है।

इसका प्रमाण? वह रोडमैप जो बीजिंग में शी जिनफिंग, पुतिन और इमरान खान की तिकड़ी ने सोचा। तथ्य नोट करें कि शीतकालीन ओलंपिक से ठीक पहले पुतिन चीन गए। यूक्रेन पर हमले से पहले पुतिन ने शी जिनफिंग को विश्वास में लिया। पाकिस्तान के इमरान खान भी बीजिंग गए। उसके बाद हमले के दिन इमरान खान मास्को मे पुतिन से मिलते हुए थे। ध्यान रहे शी जिंनफिंग ने पुतिन और इमरान खान को अपने यहां बुला कर बात की।

मतलब किंगपिन शी जिनफिंग। फिर इस्लामाबाद में इमरान खान ने 57 देशों के इस्लामी संगठन ओआईसी की बैठक आयोजित की। चीन उसमें विशेष मेहमान। सम्मेलन में कश्मीर मुद्दे पर भारत की भर्त्सना और उसका चीन के विदेश मंत्री का सम्मेलन में समर्थन करना। फिर तुरंत बाद इस्लामाबाद से ही चीन के विदेश मंत्री वांग यी काबुल गए। वहां पुतिन का प्रतिनिधि भी पहुंचा। तालिबान-चीन- रूस के प्रतिनिधियों की काबुल में बातचीत के पीछे पाकिस्तान का साझा था। काबुल से चीन के विदेश मंत्री वांग यी दिल्ली आए। उन्होंने भारत पर रूस के समर्थन के लिए डोरे डाले या आपसी सीमा विवाद को हाशिए में रखने के लिए भारत को मनाया, इस पर कई अनुमान हैं। मगर भारत ने चीन के साथ बेबाकी से बात होने की जानकारी दे कर मैसेज बनाया कि उसने चीन पर दबाव बनाया। अपना मानना है कि काबुल से लौटे चीन के विदेश मंत्री ने क्षेत्रीय स्थिरता के तकाजे में भारत को ज्ञान दिया होगा कि अफगानिस्तान पर कुछ करना है और उसमें भारत भागीदार बने। चीन के खेले का खिलाड़ी बने।

उसके बाद रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव चीन पहुंचे। दुनिया में कयास हुआ कि यूक्रेन में खराब दशा के कारण चीन की रूस लल्लोचपो कर रहा है। ऐसा कुछ नहीं है। शी जिनफिंग ने बहुत पहले से अपनी धुरी पर नई विश्व व्यवस्था बनाने का मंसूबा बना रखा है। उस नाते उसके लिए मौका है कि वह यूक्रेन की लड़ाई और रूस के खिलाफ वैश्विक स्विफ्ट वित्तीय लेन देन की पश्चिमी धुरी की डॉलर व्यवस्था के आगे अपनी करेंसी यान की धुरी बनवाए। अमेरिका केंद्रित संयुक्त राष्ट्र की एक धुरी की जगह अपने प्रभाव और बाकी सभ्यताओं के अलग-अलग विकल्प बना कर बहुध्रुवीय व्यवस्था से पश्चिम का दबदबा खत्म करे। रूस के विदेश मंत्री, चीन के विदेश मंत्री ने बीजिंग में बैठकर दो दिन यहीं मंत्रणा की होगी कि कैसे डॉलर व्यवस्था से स्वतंत्र यान, रूबल, रुपए और इस्लामी देशों की करेंसी में लेन-देन का नया वैश्विक ढांचा बने। इसी रोडमैप में अब रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत आए हैं। वे भारत को तेल और हथियार देने की सस्ती-भारी पेशकश करके उसे रूबल और रुपए की पुरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मनाएंगे ताकि अपने आप चीन की नई विश्व व्यवस्था, नई वित्तीय व्यवस्था की ओर भारत खींच जाए। उसके उत्तरी ध्रुव का तारा हो जाए।

चीन ने अफगानिस्तान पर बैठक भी बुला ली है। तालिबान के बहाने इस्लामी जमात का दिल जितने के लिए बीजिंग में अफगानिस्तान पर चर्चा के लिए रूस, पाकिस्तान, ईरान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधियों को बुलाया है। कतर और इंडोनेशिया के प्रतिनिधियों के साथ बीजिंग में अन्य देशों के राजदूतों, अमेरिकी-यूरोपीय प्रतिनिधियों से चीन अपनी कमान में अफगानिस्तान की मान्यता का रास्ता बनवाएगा।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने होशियारी दिखलाते हुए कहा है कि चीन, अमेरिका, रूस और पाकिस्तान-इन सभी देशों का अफगान मुद्दे पर विशेष प्रभाव है। इसलिए अफगान पड़ोसी देशों के विदेश मंत्रियों की तीसरी बैठक सकारात्मक माहौल में सभी पक्षों की सहमति सेज्हां शांति बहाल के मकसद से है। बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी और तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी होंगे। सवाल है क्या भारत के विदेश मंत्री या भारत के प्रतिनिधि बैठक में शामिल होंगे? संभवतया रूस के विदेश मंत्री लावरोव अपनी यात्रा में भारत को मनाने की कोशिश करें।

सू- दोकू क्र.86

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.85का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

विपक्ष में नेता का गंभीर संकट

हरिशंकर व्यास

पहली बार ऐसा हो रहा है कि भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने की जरूरत बताई जा रही है और इस काम को अंजाम देने वाला कोई नेता नहीं दिख रहा है। इससे पहले गैर कांग्रेसी मोर्चे बनते थे। कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष को एकजुट किया जाता था। दिलचस्प यह है कि जितनी बार कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास किया गया उतनी बार कामयाबी मिली। हर बार कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा बनाने के लिए कुछ नेता आगे आ जाते थे और उनकी पहल पर बाकी पार्टियां एकजुट हो जाती थीं। कम से कम तीन मौके ऐसे हैं, जब कांग्रेस उस समय के लिहाज से अपनी सत्ता के चरम पर थी और विपक्ष ने एकजुट होकर उसे हरा दिया।

सबसे पहले 1977 में जब जयप्रकाश नारायण ने नेतृत्व किया और विपक्ष एकजुट हुआ। उस समय तो विपक्ष की सभी पार्टियों ने अपना अस्तित्व खत्म करके खुद को जनता पार्टी में विलीन कर लिया, जिसके बारे में अटल बिहारी वाजपेयी कहते थे कि सबने अपनी अपनी नौकाएं जला दीं और जनता पार्टी के जहाज पर सवार हो गए। उसके बाद 1989 में वीपी सिंह आए। तब भी वीपी सिंह, चंद्रशेखर और देवीलाल जैसे नेताओं की पहल पर लगभग पूरा विपक्ष एक हो गया। जो चुनाव से पहले साथ नहीं आए वे चुनाव के बाद साथ आ गए। वीपी सिंह की सरकार भाजपा और लेफ्ट दोनों ने मिल कर चलाई। उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी की कमान में एनडीए बना तब भी 25 पार्टियों ने साथ आकर कांग्रेस को सत्ता से दूर रखा। नरेंद्र मोदी की कमान में भाजपा की पहली लड़ाई में भी पुराने एनडीए की ज्यादातर पार्टियां साथ में थीं।

सोचें, तब सारे नेता दिग्गज थे, राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी थे, अखिल भारतीय पहचान वाले थे, राजनीतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध थे और मोटे तौर पर ईमानदार थे। आज की पीढ़ी के नेताओं में इन गुणों का नितांत अभाव है और इसके बावजूद वे एकजुट नहीं हो पा रहे हैं। क्या यह नेता की कमी के कारण नहीं हो रहा है? जेपी, मोरारजी की बात छोड़ें तो आज अटल बिहारी वाजपेयी या लालकृष्ण आडवाणी भी कहां हैं? क्या विपक्ष में कोई नेता ऐसा दिख रहा है जो वाजपेयी-आडवाणी की तरह गैर कांग्रेसवाद की धुरी बने और सभी पार्टियों को साथ लाए? जॉर्ज फर्नांडीज या शरद यादव की तरह सभी पार्टियों से बात करके मोर्चा बनाने वाला नेता भी कहां दिख रहा है। ज्योति बसु और चंद्रबाबू नायडू की तरह स्वीकार्यता वाला नेता भी कोई नहीं दिख रहा है। आज विपक्ष के किस नेता में हरकिशन सिंह सुरजीत की छवि दिख रही है? यहां तक कि लालू प्रसाद, मुलायम सिंह यादव जैसा नेता भी कहां दिख रहा है।

जितने दिग्गज नेताओं का नाम ऊपर लिखा है, उनमें से ज्यादातर नेता ऐसे थे, जिनका सार्वजनिक जीवन बेदाग था। दो-तीन नेताओं पर लगे आरोपों को छोड़ दें तो बाकी लोग भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त थे। इसलिए वे खुल कर सत्ता को चुनौती दे सकते थे। सत्ता भी ऐसी थी, जो राजनीतिक विरोध को निजी दुश्मनी नहीं मानती थी और विपक्ष के नेताओं को झूठे-सच्चे आरोपों से बदनाम करके उनकी साख खराब करने का काम नहीं करती थी। इंदिरा गांधी ने नेताओं को गिरफ्तार किया था लेकिन सब राजनीतिक आरोपों में पकड़े गए थे और छूटे तो जनता ने सबका स्वागत किया। इसके उलट आज लगभग पूरा विपक्ष भ्रष्टाचार के झूठे-सच्चे आरोपों से घिरा है। ऐसा नहीं है कि सारे आरोप नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगाए हैं। कुछ नेताओं पर पहले से आरोप लगे हैं, नरेंद्र मोदी की सरकार ने इतना किया है कि उसने आरोपों को राजनीतिक हथियार बना लिया है। बाकी बचे हुए नेताओं पर नए आरोप लगा दिए गए और कार्रवाई शुरू कर दी गई। किसी विपक्षी पार्टी का नाम लीजिए और आपको पता चलेगा कि उसके शीर्ष नेता से लेकर दूसरी, तीसरी श्रेणी के नेताओं पर भी आरोप हैं और उनके ऊपर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई चल रही है।

कोरोना महामारी से अनाथ हुए बच्चों को सरकारी सेवा में मिलेगा 5 प्रतिशत आरक्षण

संवाददाता

देहरादून। पुष्कर सिंह धामी सरकार ने एक बडा फैसला लेते हुए आदेश जारी किये हैं कि कोरोना काल में अनाथ हुए बच्चों को सरकारी सेवा में पांच प्रतिशत का आरक्षण दिया जायेगा।

आज यहां सचिव अरविंद सिंह ह्यांकी द्वारा आदेश जारी करते हुए बताया कि ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता की मृत्यु उनके जन्म के 21 वर्ष तक की अवधि में हुई हो, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। इस दौरान सबसे बड़ा असमंजस अनाथ बच्चों की जाति को लेकर था। शासनादेश में कहा गया था कि वह अनाथ बच्चे, जिस श्रेणी के होंगे, उसी में उन्हें पांच प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण मिलेगा। शासन ने आदेश में स्पष्ट कर दिया कि अनाथ आश्रमों में रह रहे जिन बच्चों की जाति का पता नहीं चलेगा, उन्हें अनारक्षित वर्ग में पांच प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। जिन बच्चों की जाति का पता होगा, उन्हें उनकी श्रेणी जैसे एससी, एसटी, ओबीसी आदि में पांच प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण का लाभ मिलेगा।

शासनादेश में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अगर पांच प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण के पदों पर कोई नहीं आता तो उन पदों को संबंधित श्रेणी में काउंट करते हुए भर दिया जाएगा। शासन की ओर से सचिवालय समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी के पदों पर भर्ती की सिफारिश उत्तराखंड लोक सेवा आयोग को भेजा गया था। आयोग ने शासन से कुछ बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी मांगी थी। लिहाजा, अब साफ हो गया है कि सीधी भर्ती के पदों में आरक्षण का लाभ मिलेगा।

पुलिस की नाक के नीचे तीन दुकानों में...

पृष्ठ 1 का शेष

गेलार्ड, गुप्ता हैंडलूम व अरविंद कलेक्शन में भी चोरी की घटना को अंजाम दिया था जिसका अभी तक खुलासा तक नहीं हुआ है जिसके बाद अब फिर चोरों ने तीन दुकानों को अपना निशाना बनाया है। उनका आरोप था कि पुलिस अभी तक कुछ नहीं कर पायी है। यहां यह भी गौर करने वाली बात है कि पुलिस अधि कारी रात्रि में गश्त के दावे करते हैं लेकिन धारा चौकी पुलिस की नाक के नीचे से चोरों ने दो बार चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया तो फिर पुलिस की गश्त कहां पर हो रही थी। यहां पर पुलिस अधिकारियों के दावों की तथा पुलिस गश्त की भी पोल खोलकर रख दी है।

चोरों ने घटना को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दी है। वहीं व्यापारियों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि अगर पुलिस ने जल्द चोरों को गिरफ्तार नहीं किया तो व्यापारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। रोष व्यक्त करने वालों में सुरेश गुप्ता, मनीष महेन्द्रु, पंकज, विकास वर्मा, गौरव गुप्ता, विजय कोहली, शेखर फुलारा, शुभम गुलाटी, हरीश विरमानी, विवेक मिश्रा, रोहित बहल शामिल थे।

राज नहीं राष्ट्र प्रथम...

पृष्ठ 1 का शेष

संकल्प लिए गए हैं। राज्य सरकार पारदर्शिता के साथ विकल्प रहित संकल्प के साथ कार्य करेगी। सरलीकरण, समाधान एवं निस्तारीकरण पर अधिकारियों को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। हमारी प्राथमिकता हमेशा ही अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक सरकार एवं प्रशासन की सेवा पहुंचाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता से किए वायदे के अनुसार यूनिफॉर्म सिविल कोड जल्द ही उत्तराखंड में लागू करेंगे। सरकार ने पर्यावरण मित्रों का एक दिन का मानदेय बढ़ाकर ५०० रुपए कर दिया है। नए बजट में सरकार ने गरीब परिवारो हेतु एक साल में तीन सिलेंडर मुफ्त देने का वादा किया है, जो पूरा किया जाएगा। उत्तराखंड देव भूमि, योग भूमि के साथ ही वीर सैनिकों की भूमि भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने उत्तराखंड में वृद्धावस्था पेशन योजना पर बड़ा फैसला लेते हुए अब पति–पत्नी दोनों को वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो विकास हुआ है, उन्हें विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से जनता तक पहुंचाया जाएगा। अन्त्योदय के आदर्श वाक्य पर काम करते हुए हम समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से ऊपर उठाने का काम करेंगे।

इस अवसर पर केबिनेट मंत्री गणेश जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, भाजपा महामंत्री संगठन अजेय कुमार, विधायक श्रीमती सविता कपूर, खजाना दास, विनोद चमोली, मेयर सुनील उनियाल गामा, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

बगैर बताये बना दिया तीन कम्पनियों का निदेशक, 6 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। बगैर बताये तीन कम्पनियों का निदेशक बनाये जाने पर पीडित ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजबपुर निवासी मुकेश कुमार गुप्ता पुत्र मुरारी लाल गुप्ता ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि संदीप कुमार पुत्र शंकर कुमार निवासी पांडव नगर, दिल्ली, साधना अग्रवाल पुत्री रतन सिंह गुप्ता निवासी प्रीत विहार, दिल्ली, विनय कुमार वशिष्ठ पुत्र मौजी राम शर्मा निवासी वसंतकुंज, नई दिल्ली, अजय भारद्वाज पुत्र राजेंद्र प्रकाश भारद्वाज निवासी गुड़गांव, हरियाणा, रीता लांबा पुत्री बृज मोहन लांबा मीनाक्षी गार्डन, नई दिल्ली, अहमद पुत्र अब्दुल रहमान निवासी लक्ष्मीनगर, दिल्ली ने मेरे खिलाफ आपराधिक साजिश के संबंध में एसएमए मेटल प्राइवेट लिमिटेड, शरमन वशिष्ठ होटल्स प्राइवेट लिमिटेड, स्प्लेंडड टूर्स प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियों में मेरे जाली दस्तावेज बनाकर व मेरे जाली हस्ताक्षर और जाली दस्तावेज भरना संदीप कुमार, साधना अग्रवाल, विनय कुमार वशिष्ठ, अजय कुमार वशिष्ठ, अजय भारद्वाज, हस्ताक्षर और मेरे दस्तावेजों के लिए अक्षय भारद्वाज द्वारा मुझे मेरी सहमति और जानकारी के बिना उपराक्त कंपनियों के निदेशक मंडल में शामिल कर लियां। जबकि मे वर्ष 2017 से मां सर्वेश्वरी (इंडिया) लिमिटेड के निदेशक मंडल में निदेशक के पद पर हूं। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट के निरीक्षण पर मुझे पता चला कि मुझे मेरी सहमति और जानकारी के बिना उपरोक्त तीन कंपनियों में निदेशक बनाया गया है। उक्त लोगों ने मेरे जाली हस्ताक्षर कर किसी षडयंत्र के तहत उसको फंसाने की योजना बनायी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लाखों का फर्जीवाड़ा करने वाला जालसाज गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। फर्जी कागजात लगाकर मैक्स लाईफ इश्योरेन्स पालसी में जमा लाखों की रकम निकालकर फर्जीवाड़ा करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते वर्ष 10 अक्टूबर को राजकुमार द्वारा कोतवाली कोटद्वार में तहरीर देकर बताया गया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी मैक्स लाईफ इश्योरेन्स पॉलसी में जमा किये गये 1,48,390 रूपये को फर्जी कागजात लगाकर निकाल लिये गये हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर उक्त जालसाज की तलाश शुरू कर दी गयी। उक्त जालसाज की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा इलेक्ट्रोनिक सर्विलांस से एकत्र की गयी सूचना के आधार पर उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसका नाम राजकुमार पुत्र नानूराम, निवासी इन्द्रा कैम्प कल्याणपुरी पूर्वी दिल्ली बताया जा रहा है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

एम्बुलेंस चालक ने फांसी लगाकर दी जान, चिकित्सक पर लगाया उत्पीडन का आरोप

संवाददाता

देहरादून। सरकारी चिकित्सालय में एम्बुलेंस चालक के पद पर कार्यरत युवक ने सरकारी आवास में गले में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। मृतक ने अस्पताल के ही चिकित्सक पर उत्पीडन का आरोप लगाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जसवंत सिंह गुसांई यहां प्रेमनगर स्थित राजकीय चिकित्सालय में एम्बुलेंस चालक के पद पर कार्यरत था तथा वह वहीं पर सरकारी आवास में अपनी पत्नी व दो बच्चों के साथ रहता था। गत दिवस जसवंत की पत्नी व बच्चे शाम को घुमने चले गये तो उसने पीछे से गले में फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। जब उसकी पत्नी व बच्चे वापस आये तो कमरे का दरवाजा अन्दर से बंद था।

काफी शोर मचाने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने प्रेमनगर थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दरवाजा तोडकर अन्दर प्रवेश किया तो अन्दर का नजारा देखकर सब दंग रह गये। कमरे में जसवंत का शव पंखे से लटका हुआ था। पुलिस ने शव को नीचे उतारकर उसकी तलाशी ली तो पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला जिसमें उसने चिकित्सालय के ही एक डाक्टर पर उत्पीडन करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मुर्गी चोर गिरफ्तार, भेजा जेल

हमारे संवाददाता

पौड़ी। चिकन सेन्टर से मुर्गी चोरी कर भाग रहे एक व्यक्ति को दुकान स्वामी द्वारा पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया गया है। आरोपी अभ्यस्त अपराधी है जो पहले भी पोक्सों सहित अन्य मामलों में जेल जा चुका है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज सुबह मोहम्मद जाहिद पुत्र जहूर अहमद, निवासी नर्सरी रोड़ श्रीनगर द्वारा एक व्यक्ति सुमित कुमार पुत्र रोशनलाल, निवासी ग्राम डांग श्रीनगर को थाना श्रीनगर पर स्वयं लाकर बताया गया कि सुमित कुमार द्वारा चार अप्रैल की रात पौड़ी रोड़ श्रीनगर स्थित उनकी तमन्ना चिकन सेंटर की दुकान से 6 बॉयलर मुर्गे चोरी कर भागते हुए पकड़ा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच में मामला सही पाये जाने पर पुलिस ने आरोपी सुमित कुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी आदतन अपराधी है जो पहले भी पोक्सो अधिनियम सहित अन्य आरोपों में जेल जा चुका है।

एक नजर

हिंदू नववर्ष पर संघ कार्यकर्ताओं पर फूल बरसाने वाले मुस्लिम डाक्टर की हत्या का फतवा जारी!

मुरादाबाद। मुरादाबाद के एक मुस्लिम डाक्टर द्वारा हिंदू नववर्ष के अवसर पर संघ कार्यकर्ताओं द्वारा निकाले जा रहे पथ संचलन के दौरान फूल बरसाने के कारण उसके विरुद्ध हत्या का फरमान सुनाते हुए फतवा जारी कर दिया गया है। बकायदा सामाजिक बहिष्कार के साथ ही डाक्टर की हत्या करने वाले को एक लाख रुपए इनाम देने का भी घोषणा की गई। इस तरह के पर्चे लिखकर दुकानों और घरों में डाल दिए है। मामला मुरादाबाद के मैनाठेर थाना क्षेत्र के गांव महमूदपुर माफी का है। जहां डा. मोहम्मद निजाम

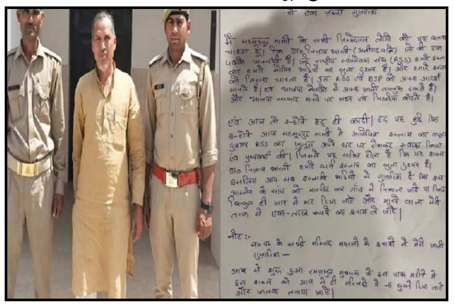

भारती के खिलाफ कथित फतवा जारी किया गया है। जिसमें डाक्टर निजाम को गैर मुस्लिम घोषित करते हुए उससे सामाजिक बहिष्कार के साथ अपील की गई है कि निजाम को मस्जिदों में ना घुसने दिया जाए। डाक्टर मो निजाम भारती की शिकायत मिलने पर पुलिस द्वारा इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद कथित फतवा जारी करने वाले हाफिज इमरान वारसी नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जानकारी में आया है कि संघ कार्यकर्ताओं पर फूलों की बारिश करना इमरान नाम के शख्स को नागवार गुजरा। जिस पर उसने डाक्टर के खिलाफ पर्चे लिखकर रात को इलाके में बांट दिए।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने आपातकाल हटाया

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने मंगलवार देर रात आपातकाल को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। देश में बढ़ते संकट के बीच एक अप्रैल को आपातकाल लागू किया गया था। मंगलवार देर रात जारी गजट अधिसूचना संख्या २२७४/१० में राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने आपातकाल नियम अध्यादेश को वापस ले लिया है, जिससे सुरक्षाबलों को देश में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए व्यापक अधिकार मिले थे।

डॉ. अंबेडकर के जन्म दिवस पर देशभर में रहेगा सार्वजनिक अवकाश

नई दिल्ली । देश के संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस पर १४ अप्रैल को अब देशभर में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस बारे में केन्द्र सरकार की तरफ से नोटिफिकेशन जारी करते हुए इसकी घोषणा की गई है। कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना में यह बताया गया कि परक्राम्य लिखित अधिनियम १८८१ (१८८१ का २६) की धार २५ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस गुरुवार १४ अप्रैल २०२२ को पूरे भारत में अवकाश घोषित करती है। इसमें आगे बताया गया है कि इस मौके पर सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही केन्द्रीय सरकारी कार्यालय देशभर में बंद रहेंगे।

पटियाला में कबड्डी खिलाड़ी धर्मिंदर सिंह की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़। पटियाला में पंजाबी यूनिवर्सिटी के सामने मंगलवार रात हुई झड़प में कबड्डी खिलाड़ी धर्मिंदर सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया और मामले में कनाडा के एक एनआरआई का नाम लिया। दौन कलां गांव कबड्डी क्लब के अध्यक्ष रहे

धर्मिंदर राजनीतिक रूप से भी सक्रिय थे।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मंगलवार शाम को विश्वविद्यालय में दौन कलां और थेरी गांवों के प्रतिद्वंद्वी गुटों में झड़प हो गई। कुछ समय बाद, धर्मिंदर ने परिसर के बाहर एक ढाबे पर प्रतिद्वंद्वी समूह के साथ बैठक के दौरान अपने ग्रामीणों का प्रतिनिधित्व किया। बात चल ही रही थी कि किसी ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा, श्हमने शव को अपने कब्जे में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है। पटियाला के एसएसपी नानक सिंह ने कहा कि अब तक हत्या के पीछे चार लोगों की पहचान हो चुकी है।

महंगाई की मारः सब्जियों के दाम आसमान पर

विशेष संवाददाता

देहरादून। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि का असर अब अन्य आम उपभोक्ता वस्तुओं पर दिखाई देने लगा है। खासतौर पर सब्जियों के भाव पर इसका सबसे ज्यादा असर देखा जा रहा है। हर सब्जियों की कीमतें तेजी से बढ़ रही है जिसका असर अब हर परिवार की रसोई पर पड़ रहा है।

सीजन में आने वाली सब्जियों की जब बाजार में आमद शुरू हुई थी तब उम्मीद की जा रही थी कि अब आम आदमी को थोड़ी राहत मिल सकेगी लेकिन 20 रूपये किलो मिलने वाली लौकी के दाम एक सप्ताह में ही दोगुने से ऊपर निकल गए अब लौकी 60 रूपये और तुराई 60 रूपये किलो मिल रही है तथा शिमला मिर्च जो एक सप्ताह पूर्व 40 रूपये किलो थी उसके दाम भी 80 रूपये किलो हो गए हैं। फ्रासबीन भी 40 रूपये प्रति किलो से बढ़कर 60 रूपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। फूलगोभी जो 25 से 30 रूपये किलो थी वह अब 40 रूपये किलो मिल रही है। नींबू की कीमत ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और 100 रूपये किलो मिलने वाला नींबू अब 300 रूपये किलो पर

●नींबू 300 रुपये किलो, लौकी तोरई 60, बींस 80 रुपए किलो

पहुंच गया है। देसी खीरा बाजार में 50 रूपये किलो मिल रहा है वही मटर के दाम भी 30 रूपये से बढ़कर 50 रूपये किलो हो गए हैं। सिर्फ आलू और टमाटर के दाम स्थिर बने हुए हैं। इसके अलावा आज बाजार में मिलने वाली कोई भी सब्जी 50 रूपये किलो से नीचे नहीं मिल रही है। यहां तक कि हरा कद्दू 40 वह पीला कद्दू 50 रूपये किलो बिक रहा है। करेला 90 से 100 रूपये किलो है तथा भिंडी 80 रूपये किलो। ऐसी स्थिति में अब लोग किलो का आधा किलो और आधा किलो की जगह एक पाव सब्जी खरीदने पर विवश है।

खास बात यह है कि अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का क्रम जारी है। खाद्य तेल, दालें और आटा-चावल के दामों में भी तेजी देखी जा रही है वहीं फलों के दाम भी बढ़ रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि रमजान और नवरात्रों के त्योहारों के कारण कुछ मांग बढ़ने का असर भी कीमतों पर पड़ा है। यही नहीं कीमतें बढ़ने के पीछे पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ने को ही अहम कारण माना जा रहा है। लोग इस बात को लेकर परेशान हैं की पेट्रोल-डीजल की कीमतें तो हर रोज बढ़ रही है आज फिर इनकी कीमतों में इजाफा हुआ तब ऐसे में आने वाले समय में क्या होगा?

शिक्षिका को अश्लील मैसेज भेजने वाला शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चंपावत। शिक्षिका को अलग-अलग नम्बरों से अश्लील मैसेज भेजने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार टनकपुर निवासी एक शिक्षिका ने थाना टनकपुर में तहरीर देकर बताया गया कि एक अज्ञात व्यक्ति उनके नंबर पर बार-बार मैसेज भेज कर परेशान कर रहा है। बताया कि उस व्यक्ति को बार-बार समझाने के बावजूद वह अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा और ब्लाक करने पर दूसरे नंबरों से मैसेज भेज रहा है। शिक्षिका की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान अमर सिंह बिष्ट निवासी ग्राम तुमराड़ीगोठ टनकपुर की संलिप्तता सामने आने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

मारपीट कर हाथ तोडने में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर हाथ तोडने के मामले में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती निशा देवी पत्नी योगेश कुमार निवासी बड़ोवाला नियर स्वामी विवेकानन्द पब्लिक स्कूल के सामने प्रेमनगर ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 18 मार्च को एक व्यक्ति जिसका नाम सोनू उर्फ विजय पुत्र विजेन्दर निवासी बड़ोवाला ने उनकी दुकान मे सामान खरीदने के बहाने घुस गया और अचानक से दुकाने के गल्ले से झपटकर पैसे निकालकर जेब रख लिया। जब वह सोनू उर्फ विजय से पैसे वापस मांगने लगी तो उसने उसके के साथ अभद्र बातें और मां बहन की गंदी गाली गलौच करने लगा तभी उसके पति योगेश कुमार आये , तो सोनू उर्फ विजय ने लोहे के रोड से मारकर उसके के पति का हाथ तोड़ दिया और लोहे की रोड से खूब मारा और भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्वास्थ्य निदेशक के साथ मारपीट

संवाददाता

देहरादून। कार की टक्कर लगने से स्वास्थ्य निदेशक के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डा०जे०एस० चुफाल सहायक निदेशक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय डा०जे०एस० चुफाल ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज सुबह प्रातः पौने दस बजे अपने आफिस आईटी पार्क स्थित महानिदेशालय अपनीगाडी से जा रहा था और इंजिनियर इंकलेव के कट पर अपनी गाडी मोड रहा था कि एक व्यक्ति जो डिजायर गाडी में था ने मेरी गाडी में टक्कर मारी और सीधे गाली गलौच करने लगा परंतु मै चुपचाप अपने रास्ते जाने लगा फिर वही व्यक्ति फिर से गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी और अपनी गाडी मेरी गाड़ी के आगे एकाएक लगाकर रोक दी जिस कारण मैने भी अपनी गाडी में ब्रेक लगाये तभी वह व्यक्ति अपनी गाडी से उतरकर सीधे मेरे साथ मारपीट की जिससे मेरे बांयी तरफ गाल से खून बहने लगा और दर्द होने लगा फिर मेरा गला दबाने ला और सभी लोग ये तमाशा देख रहे थे उसने मेरी गाडी की चाबी निकाल ली और धमकाने लगा और मेरी गाडी पर लात घूंसे मारने लगा फिर मेरी गाडी से सरकारी कागजात एंव मेरा आई०डी० कार्ड निकाल लिये और गाली देता हुआ जा रहा था मैने कहा कि सरकारी कागजात और मेरा आई.डी. लौटा दो परंतु उसने नही लौटाये और धमकी देता हुआ चला गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

छात्रा से छेड़छाड़ में ब्यूटी पार्लर संचालक की पिटाई, माफी मांग बचायी जान

संवाददाता

देहरादून। छात्रा से छेडछाड के मामले में साथी छात्रों ने ब्यूटी पार्लर संचालक की जमकर पिटाई कर दी जिससे वहां पर अफरा तफरी मच गयी। संचालक के द्वारा माफी मांगे जाने के बाद छात्रों ने चेतावनी देकर उसको छोड दिया।

मिली जानकारी के अनुसार आज एक छात्रा डीएवी रोड स्थित एक ब्यूटी पार्लर में हेयर कटिंग एव अन्य ब्यूटी पार्लर का काम कराने के लिए गयी थी। आरोप है कि हेयर कटिंग के दौरान छात्रा से छेडछाड की गयी जिसका छात्रा ने विरोध किया तथा चुपचाप वहां से चली गयी। छात्रा ने ब्यूटी पार्लर संचालक के दौरान की गयी छेडछाड के बारे में अपने साथी छात्रों को बताया। यह बात सुनकर साथी छात्र गुस्से में आ गये और उन्होंने मौके पर पहुंच। पार्लर संचालक की जमकर पिटाई कर दी। शोर सुनकर वहां पर आसपास के लोग एकत्रित हो गये तथा वहां माहौल अफरा तफरी का हो गया। पहले तो ब्यूटी पार्लर संचालक आना कानी करता रहा और अपने आपको बेगुनाह बताता रहा जिससे छात्रों का गुस्सा बढ गया और उन्होंने उसकी एक बार फिर पिटाई शुरू कर दी। जिसके बाद पार्लर संचालक ने छात्रा से व वहां मौजूद छात्रों से माफी मांगी जिसके बाद छात्रों ने उसको चेतावनी देकर छोड दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।